केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 184 बुधवार 24 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान से प्रेरणा लें युवा-हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जयन्ती पर भाजपा नेताओं ने सांसद हरीश द्विवेदी के साथ उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

सांसद हरीश द्विवेदी जी ने कहा कि नेता जी के संघर्षों के कारण हम भारतीय आजादी की सांस ले रहे हैं। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। नई पीढी को उनके जीवन संघर्ष और स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान के लिये प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि नेता जी के सपनों को प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं।

माल्यार्पण के दौरान भानू प्रताप मिश्र, सत्येन्द्र सिंह भोलू, अमृत वर्मा, श्रुति कुमार अग्रहरि, बागीश सिंह, बृजेश मिश्र, अंकुर सिंह, अभय शंकर शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मांगे पूरी न हुई तो व्यापारियों का नगर पालिका में धरना 31 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल, महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष को सम्बोधित ज्ञापन कार्यालय में सौंपा। बताया कि पूर्व में दिये गये ज्ञापन के अनुसार लाइसेंस शुल्क समाप्त किये जाने, नगर पालिका के दुकानों का बढा किराया वापस लिये जाने, सरकारी अतिक्रमण को चिन्हित कर पहले उसे हटाया जाय, 2021 में पास गृहकर, जलकर की अवैध वसूली बंद कराये जाने, नगर पालिका क्षेत्र के सड़कों को गड्ढा मुक्त किये जाने आदि की मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया था। उस पर अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई। चेतावनी दिया कि यदि 30 जनवरी तक कोई पहल न हुआ तो 31 जनवरी को नगर पालिका कार्यालय परिसर में धरना दिया जायेगा। इसका पूरा दायित्व नगर पालिका प्रशासन का होगा।

ज्ञापन देने वालों में धर्मेन्द्र चौरसिया, प्रभात सोनी, शेष नारायण गुप्ता, हर्षित अग्रवाल, ऋषभ गुप्ता, अशोक कुमार निगम, मो. एहसानुल्लाह आदि शामिल रहे।

सफाईकर्मी के परिजनों को दिया सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। मंगलवार को विकास खण्ड बनकटी ब्लॉक परिसर मे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह के नेतृत्व में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत)गिरजेश श्रीवास्तव व देवमी प्रधान राजेंद्र प्रसाद चौधरी द्वारा व समस्त सफाई कर्मियों ने 46,500 रूपये का सहयोग राशि इकट्ठा कर कैंसर से मृतक राकेश कुमार की पत्नी सरोज निवासी चेनुआ मेहरई जो वर्तमान मे ग्राम सभा देवमी मे सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात थे,उनकी कैंसर से मृत्यु हो जाने पर सहयोग राशि दिया गया।

इस दौरान सफाई कर्मचारी अध्यक्ष मोहम्मद कलीम ,सुनील कुमार पान्डेय,दया प्रकाश यादव, ओम प्रकाश, विपिन द्विवेदी,दिनेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, सुमन लता, लालजी, विजय प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

रामलला के दर्शन को उमड़े लोग, 100 की हालत बिगड़ी

संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह खत्म होने के बाद सोमवार की रात भर श्रद्धालु रामजन्मभूमि पथ के सामने ही डटे रहे। सुबह जैसे ही मंदिर खुला भीड़ एकाएक मंदिर में प्रवेश करने लगी। गर्भगृह में भारी भीड़ के दबाव के कारण कई लोगों की हालत बिगड़ गई। कुछ लोगों की सांसें फूलने लगीं तो कई लोग चोटिल हो गए। ऐसे लोगों को श्रीराम अस्पताल इलाज के लिए लाया जाता रहा। शाम छह बजे तक 102 लोगों को अस्पताल लाया गया। इसमें 8 लोगों

को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया जबकि इतने ही लोगों को भर्ती किया गया है। सीएमएस आरके शर्मा के अनुसार ज्यादातर मरीज सांस फूलने, चक्कर आने के साथ ब्लड प्रेशर बढ़ने के कारण पहुंचे हैं।

सुबह से दोपहर तक कई बार ऐसा मौका आया जब भीड़ बेकाबू हो गई। हालत यह हो गई कि जिले और मंडल के अधिकारी ही नहीं, योगी के आदेश पर लखनऊ से डीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार और एसीएस गृह संजय प्रसाद भी मंदिर पहुंच गए और खुद मोर्चा संभाल लिया। सीएम योगी खुद भी अयोध्या पहुंच गए। पहले हेलीकॉप्टर से ही सीएम योगी ने हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद व्यवस्था सुचारू बनाने को लेकर अफसरों के साथ बैठक की।

सुबह आरती के बाद भीड़ का रेला लगभग 9 बजे तक निर्वाध रूप से प्रवेश करता रहा। इसके बाद जिले के अधिकारियों ने एसएसबी और आरएएफ को बुलाकर भीड़ को अंदर जाने के लिए व्यवस्थित किया। इस बीच भारी भीड़ के कारण कई श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह से लेकर शाम तक 102 मरीजों का श्रीराम अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। इसमें से ज्यादातर लोग सांस फूलने और सीने में दबाव पड़ने के साथ ही ब्लड प्रेशर बढ़ जाने के कारण बीमार हुए।

असम में न्याय यात्रा को लेकर बढा विवाद

गुवाहाटी (आभा)। राहुल गांधी की न्याय यात्रा मंगलवार को गुवाहाटी पहुंची, जिसे असम पुलिस ने रोक दिया। राहुल अपने काफिले के साथ गुवाहाटी शहर के बीच से गुजरना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी। पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बाद कांग्रेस समर्थक पुलिस से भिड़ गए। उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। घटना को लेकर राहुल ने कहा कि जिस रास्ते पर हमारी यात्रा को रोका गया है, उसी रास्ते से बजरंग दल और जेपी नड्डा की रैली निकली थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रास्ते पर लगे बैरिकेड हटा दिए हैं, लेकिन हमने कानून नहीं तोड़ा है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा, 'ऐसा बर्ताव असमिया कल्चर का हिस्सा नहीं है। ये नक्सली गतिविधियां हमारी संस्कृति से अलग

हैं। मैंने असम पुलिस को निर्देश दिया है कि वे राहुल गांधी के खिलाफ भीड़ को उकसाने के लिए मुकदमा दर्ज करें और कांग्रेस ने जो वीडियो पोस्ट किए हैं, उन्हें सबूत के तौर पर इस्तेमाल करें। दरअसल, असम पुलिस ने वर्किंग डे का कारण बताकर न्याय यात्रा को शहर के अंदर ले जाने से मना किया था। पुलिस ने कहा था कि आज अगर न्याय यात्रा शहर में गई तो ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाएगी, इसलिए प्रशासन ने रैली को नेशनल हाईवे पर जाने का निर्देश दिया है।

राहुल की न्याय यात्रा 18 जनवरी को नगालैंड से असम पहुंची थी। 20 जनवरी को यात्रा अरुणाचल प्रदेश गई, फिर 21 को असम लौट आई। इसके बाद यात्रा 22 जनवरी को मेघालय निकली और मंगलवार को एक बार फिर असम पहुंची। राहुल की न्याय यात्रा 25 जनवरी तक असम में रहेगी। हिमंता बिस्व सरमा और कांग्रेस के बीच पिछले कई दिनों से जुबानी जंग चल रही है।

शिवसेना ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, बाला साहब ठाकरे को जयन्ती पर किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय के संयोजन में शिविर कार्यालय सुगर मिल के परिसर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और शिव सेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे की जयन्ती अवसर पर दोनों महापुरूषों को नमन् किया गया।

प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 'तुम मुझे खून दो' मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का नारा देकर देश को एकजुट करने के साथ ही आजादी दिलाई और बाला साहब ठाकरे ने भारत के नव निर्माण में योगदान के साथ ही हिन्दू हितों की रक्षा के लिये आजीवन संघर्ष किया। कहा कि यह संयोग ही है कि दोनों महापुरूषों की जयंती एक ही दिन है। हमें इनके बताये मार्ग पर चलकर देश को सशक्त बनाना होगा।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और बाला साहब ठाकरे के चित्र पर माल्यार्पण करने वालों में विजय कुमार, हरिश्चंद्र, इंद्रपाल प्रजापति, बलराम प्रजापति, विकास चौधरी, आलोक कुमार, राम भवन मोरिया, रवि गुप्ता, ऋषभ कुमार, चंद्रावती देवी, गीता देवी, फूलमती, लक्ष्मी देवी, क्रांति देवी, प्रभावती देवी, उषा किरण, मालती देवी, मूरती देवी, मंजू देवी,के साथ ही शिवसेना के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 4 दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में डा. वी.के. वर्मा एजुकेशनल ग्रुप और पटेल एसएमएच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा द्वारा चार दिनों तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के समापन पर मुख्य चिकित्साधिकारी आर.एस. दूबे ने कहा कि यह नेक कार्य है। इससे कई यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को लाभ मिला।

उप जिलाधिकारी गुलाबचन्द्र ने समापन अवसर पर कहा कि बस्ती से अयोध्या तक गोटवा एनएच. हाइवे पर एक मात्र स्वाथ्य शिविर था जहां कड़ाके की ठंड में लोगों का इलाज हुआ। मरवटिया के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. विनोद कुमार गौतम ने कहा कि यह शिविर सार्थक रहा।

आभार ज्ञापन प्रबन्धक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि चार दिनों तक चले शिविर में एक हजार से अधिक मरीजों को परीक्षण के साथ ही निःशुल्क दवायें उपलब्ध करायी गई।

निदेशक डा. आलोक रंजन ने आभार व्यक्त करते हुये बताया कि यात्रियों को 24 घंटे चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध करायी गई।

चार दिनों तक चले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को संवालित करने में डा. आर.एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. लालजी यादव, डा. रीतेश चौधरी ने योगदान दिया। इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय मरीजों का भी इलाज किया गया। शिविर को सम्पन्न कराने में रामपूजन, चन्द्रशेखर, चन्द्रेश कुमार, वीरेन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र, मनीष चौधरी, गोल्डी वर्मा, मनीषा, कविता, शिव प्रसाद, मनोज, सतीश, विनय मौर्य, आनन्द गुप्ता, सतिराम के साथ ही डी.फार्मा, के छात्रों ने भी योगदान दिया।

जनपद बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को जनपद बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह जनपद बार के सभागार में सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर मिश्र ने अध्यक्ष जवाहिर लाल मिश्रा, मंत्री रविशंकर शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राघव शरण पाण्डेय, उपाध्यक्ष अमरसेन सिंह, अवनीन्द्र कुमार पाण्डेय, कनिष्ठ उपाध्यक्ष मुखिराम यादव, संयुक्त मंत्री दिनेशचन्द्र ओझा, आशुोष पाण्डेय, शिवशंकर श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष विजयनाथ पाण्डेय को पद और गोपनीयता की शपथ

–पीड़ितों को न्याय, अधिवक्ता हितों की रक्षा प्राथमिकता–जवाहिर लाल मिश्रा

दिलाया। इसके साथ ही कार्यकारिणी के दीनानाथ चतुर्वेदी, संतराम चौधरी, राम सुमेर यादव, ओम प्रकाश सिंह, राकेश पाण्डेय, शिवनाथ चौधरी, लाल ऋतुराज कुमार, प्रभात त्रिपाठी ने शपथ ग्रहण किया।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष जवाहिर लाल मिश्रा ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य पीडितों को न्याय दिलाने के साथ ही अधिवक्ता हितों की रक्षा करना है। इस दिशा में और प्रभावी कदम उठाये जायेंगे।

शपथ ग्रहण में मुख्य रूप से एल्डर कमेटी चेयरमैन रविन्द्र शर्मा, चुनाव अधिकारी रामनवल त्रिपाठी, सिविल बार अध्यक्ष बद्री प्रसाद दूबे, मंत्री दयाशंकर मिश्र, कमिश्नर बार के अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव, मंत्री विनोद कुमार बख्शी, यंग बार अध्यक्ष विनोद कुमार भट्ट, मंत्री अंगद मिश्र के साथ ही बडी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जयन्ती पर याद किये गये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, आजाद हिन्द फौज के सेनानी रामू उपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जयन्ती की पर आजाद हिन्द फौज के सेनानी रामू उपाध्याय को याद किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समिति के महासचिव श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि नेताजी ने देश की गुलामी को निकट से महसूस किया और विश्व भ्रमण कर आजादी के संघर्ष के लिये जो वातावरण सृजन किया संसार में ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। कहा कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आवाहन पर सैकड़ो लोग एकत्र हो गये। बस्ती जनपद के फेटवा निवासी रामू उपाध्याय इसी संकल्प को लेकर नेताजी से जुडे। संयोग ही है कि दोनों महापुरूषों की जयंती एक ही दिन है।

वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने नेताजी के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि उन्होने कठिन समय में देश को जो मार्ग दिखाया आजादी उसी का प्रतिफल है। ऐसे महापुरूषों को सदैव याद किये जाने की जरूरत है। समाजसेवी बी.के. मिश्र ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और उनके सहयोगी रामू उपाध्याय के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुये कहा कि नयी पीढी को ऐसे बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिये। अध्यक्षता करते हुये बी.एन. शुक्ल ने कहा कि नेताजी का योगदान युगों तक याद किया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पं. चन्द्रबली मिश्र, राममिलन, डा. अफजल हुसेन 'अफजल' छोटेलाल वर्मा, डा. अजीत श्रीवास्तव, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' पेशकार मिश्र, सामईन फारूकी, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, गणेश प्रसाद, दीनानाथ यादव, एस. एस. शुक्ल सहित उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और रामू उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को रेखांकित किया।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा पर उमडी आस्था, भण्डारे के साथ कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा पर उत्साह का क्रम बना हुआ है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र के संयोजन में कैली हास्पिटल मार्ग पर शिवमंदिर रघुवंशपुरी में विशाल भण्डारे का आयोजन कर जरूरतमंद लोगों में कम्बल का वितरण किया गया।

भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये कहा कि श्री अयोध्या धाम में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा से करोडों भक्तों की साधना सफल हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन से लोगों का जिस प्रकार से मार्ग दर्शन किया है निश्चित रूप से आगामी लोकसभा के चुनाव में इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

इस अवसर पर अवधेश कुमार मिश्र, अजय नारायण, अभय, सुभाष शुक्ल, सुनील मिश्र, त्रयम्बक दूबे, मन्तोष सिंह, अमन मिश्र के साथ ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

भाजपा नेता रमाकान्त ने भण्डारे के साथ किया जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रमाकांत पाण्डेय ने अयोध्या धाम में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारे का आयोजन करने के साथ ही जरूरतमंद लोगों में कम्बल का वितरण किया।

भाजपा नेता रमाकान्त पाण्डेय ने कहा कि श्री अयोध्या धाम में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा से वर्षो की साधना पूर्ण हुई। प्रधानमंत्री ने जो संदेश दिया है निश्चित रूप से उसका समाज के सभी वर्गो पर व्यापक प्रभाव पडा है। कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास अर्जित कर भाजपा समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान में जुटी है. इतिहास में पहली बार पात्रों, जरूरतमंदों को निःशुल्क अनाज, वितरण कर सेवा का कीर्तिमान बनाया है।

भाजपा नेता रमाकांत पाण्डेय ने कहा कि पूर्व की सरकारें गरीबों का हक डकार लेती थी. भाजपा की सरकार बनते ही उनके लिये विकास

के द्वार खुले. आवास, शौचालय उपलब्ध कराने के साथ ही शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन, रोजगार सृजन के क्षेत्र में सर्वाधिक कार्य किये. कहा कि पहले सरकारी नौकरियों को प्राप्त करने के लिये लोगों को रिश्वत देनी पड़ती थी किन्तु भाजपा की सरकार बनते ही यह खेल समाप्त हुआ और बिना रिश्वत लोग नौकरी हासिल कर रहे हैं. श्री अयोध्या धाम में भव्य मंदिर ,काशी में बाबा विश्वनाथ धाम का ऐतिहासिक कारिडोर बन गया। भाजपा इन कार्यो के भरोसे पुनः मजबूत सरकार बनायेगी. कहा कि बिना भेदभाव के लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

इस मौके पर शशिकान्त पाण्डेय, कृष्ण चंद्र शुक्ल बब्बू प्रधान, राज मणि विन्दू यादव सच्चिदानंद सिंह रतन प्रधान, लवकश तिवारी, मनोज सिंह, सन्तोष तिवारी, सहित हजारों लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

श्रीराम मय हुआ भानपुर, उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर, (बस्ती)। अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर उद्घाटन के उपलक्ष्य में भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में उकड़ा हनुमान मंदिर पर भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा के नेतृत्व में संगीतमयी सुंदर, दीपोत्सव, समसरता भोज, प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।

यहाँ स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर आयोजन में हिस्सा लिया। हनुमान मंदिर तथा सरोवर घाट को 2100 दीपों से सजाया गया। दिन में लाइव कार्यक्रम के जरिए एलसीडी पर लोगों को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। क्षेत्र के अनेक गांव से शोभा यात्रा के रूप में राम भक्त कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किए।

कार्यक्रम के आयोजन भाजपा नेता नितेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान किन्नर समाज के लोगों को अंगवस्त्र और दक्षिणा देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में

क्षेत्र के पूजा पाठ कराने वाले पुरोहितों को अंगवस्त्र और पांचांग का पत्रा देकर सम्मानित किया गया। बताया कि कार्यक्रम में सहयोग करने वाले रसोइयों को अंग वस्त्र और कंबल देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। साथ ही कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं राम भक्तों को भगवान श्री राम जी की पट्टिका ओढ़ाकर स्वागत किया गया। समरसता भोज दोपहर से ही शुरू होकर देर रात तक चला उसके उपरांत भक्तों ने आतिशबाजी करके कार्यक्रम का समापन किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक अभय जी, आहुति शुक्ला, यशकांत सिंह, अनूप खरे, लक्ष्मीकांत पांडेय पप्पू, जगदंबा सिंह, राकेश शर्मा, विजय कुमार पांडेय राजू, सत्येंद्र शुक्ल जिप्पी, दुष्यंत विक्रम सिंह, राजाराम तिवारी, सुरेंद्र पांडेय, गिरिजेश पाल, बजरंगी प्रसाद शर्मा, राजेश कुमार ओझा, राहुल सिंह, नीरज पांडेय, प्रभारी निरीक्षक सोनहा विनोद कुमार मिश्र, ईओ भानपुर ऋचा सिंह, अविनाश मिश्र, सुरेश गुप्त, रमेश गुप्त, गोपाल रावत, श्रीचंद्र यादव, स्वेतांक सिंह, लोलई बाबा, सुनील पाठक, संतोष पांडेय, ध्रुव चंद्र पाठक, शिव प्रसाद पांडेय, धीरेंद्र देव पांडेय, ओमप्रकाश त्रिपाठी, उमाकांत शुक्ल, अभिषेक शर्मा, चंद्रभूषण पांडेय, भोलू सिंह, रामभारत यादव, विवेक शर्मा, रिंकू दूबे, उमेश पांडेय, शिव शंकर त्रिपाठी, राधेश्याम पाठक, अंकुर पाठक, राम शंकर चौहान, प्रमोद प्रजापति, दीनानाथ गौतम, गिरिजेश मिश्र, अनंत सिंह, प्रशांत सिंह, दीपक पांडेय, विश्वनाथ पासवान, विजय गुप्ता, आनंद शुक्ल, बब्बू भट्ट, आशीष चौधरी, पुनीत पांडेय, अनिल मिश्र, पंकज पाठक, शिवानंद कन्नौजिया, अश्वनी मिश्र, विकास शर्मा, रंगीलाल गुप्ता, मन्नू कसौधन सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

शोभा यात्रा में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजभवन द्वारा जनपद के अनेक संगठनों के साथ मिलकर किए जा रहे 'राममय हुई वशिष्ठ नगरी' कार्यक्रम की कड़ी में सोमवार को श्री अयोध्या धाम में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गायत्री मंदिर से राजभवन तक विशाल शोभा यात्रा राजा ऐश्वर्यराज सिंह के संयोजन में निकाली गई। इसके पूर्व राज माता आशिमा सिंह ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, माता सीता, श्री लक्ष्मण और श्री हनुमान जी का रूप धारण करने वाले स्कूली छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कहा कि अयोध्या धाम में श्री रामलला की पुर्न प्राण प्रतिष्ठा विश्व के लिये मंगलकारी होगी।

श्रीराम लला प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गायत्री मंदिर से राजभवन तक विशाल शोभा यात्रा में दो झांकिया, रथ आगे–आगे चल रहे थे और श्रीराम का उद्घोष करते

हुये बड़ी संख्या में भक्तों में उल्लास था। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूलों के छात्र, विभिन्न राजनीतिक दलों, विश्व हिन्दू महासंघ, करणी सेना, क्षत्रिय महासंघ के साथ ही अनेक हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी और भक्तगण शामिल रहे।

यात्रा के राजभवन पहुंचने पर राजा माता आशिमा सिंह, मण्डलायुक्त की धर्मपत्नी निशा सिंह आदि ने स्वागत किया और एक सप्ताह तक पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह की स्मृति में आयोजित कार्यक्रमों का पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। श्री राम चरित मानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी, चित्र कला प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रमों के विजेताओं को जब राजा माता आशिमा सिंह, मण्डलायुक्त की धर्मपत्नी निशा सिंह के हाथों पुरस्कार मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भण्डारे के साथ कार्यक्रम का विश्राम हुआ ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 जनवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

अंतरिम बजट से उम्मीदें

इन दिनों पूरे देश की निगाहें वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक फरवरी को पेश किए जाने वाले वर्ष 2024 के अंतरिम बजट की ओर लगी हुई है। वस्तुतः देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं। एक अंतरिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। सामान्यतरू अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य होता है। लेकिन अधिकांश अंतरिम बजटों में लोकलुभावन योजनाओं और बड़ी–बड़ी राहतों का ढेर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं से संतुलित अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं।

निःसंदेह इस समय वर्ष 2024–25 के अंतरिम बजट को अंतिम रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समक्ष हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुंजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यय योजना की घोषणा का है। साथ ही आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कोई एक माह बाद आने की संभावना रहेगी। कहा है कि वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में जिस तरह लोकलुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थीं और कर उपायों की अनदेखी की गई, वह वैसा नहीं करने जा रही हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए अंतरिम बजट के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर परिदृश्य पर सकारात्मक बदलाव होने का अनुकूल परिदृश्य मौजूद है। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगे लगाकर वृद्धि हुई है। 2023–24 के 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ के स्तर को पार कर चुका हैं। वित्त वर्ष 2014–22 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 3.5 लाख रुपये के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हो गए हैं। देश में कर सुधारों से आयकरदाताओं और आयकर संग्रहण के साथ–साथ जीएसटी में लक्ष्य से भी अधिक वृद्धि की बड़ी अनुकूलताएं हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव के पहले 2019 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि पिछले माह दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका अहम मानी गई हैं, इसे ध्यान में रखते हुए वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ–साथ छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं।

नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं व मध्यम वर्ग को कुछ राहत दी जा सकती है। बजट में किफायती आवासों के लोन पर ब्याज पर सब्सिडी बढ़ सकती है। नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए आयकर छूट की सीमा बढ़ सकती है। किसानों और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट में बड़े ऐलान हो सकते हैं। किसान सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है। नए बजट में राजकोषीय घाटा और विनिवेश लक्ष्य कम हो सकता है। विनिवेश लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपये से नीचे रखा जा सकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी जा सकती है। जहाँ विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिए सरकार नए अंतरिम बजट से पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसे कपड़ा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत कर सकती है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को भी प्रोत्साहनमूलक राहत दे सकती है। नए अंतरिम बजट में देश में डिजिटल क्रांति को बढ़ाने से संबंधित मोबाइल सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न उत्पादों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए अधिक पूंजीगत व्यय के प्रावधान भी दिखाई दे सकते हैं। नए बजट में वित्तमंत्री जनकल्याण की ऐसी घोषणाएं भी कर सकती है, जो अंतरिम बजट का हिस्सा नहीं होते हुए आगामी पूर्ण बजट की घोषणाओं की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए दिखाई दें। इन दिनों वेतनभोगी (सैलरीड) वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाता और मध्यम वर्ग के लोग यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष 2023–24 के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी कोई उपयुक्त राहत नहीं मिली है। साथ ही अब महंगाई वृद्धि और उनके बढ़ते जरूरी खर्चों के कारण उन्हें कुछ आयकर राहत की अपेक्षा है। ऐसे में नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत नई कर राहत मिल सकती है।

निःसंदेह वेतनभोगी वर्ग द्वारा नए अंतरिम बजट में राहत की अपेक्षा इसलिए भी न्यायसंगत है, क्योंकि वेतनभोगी वर्ग के द्वारा दिया गया कुल आयकर पेशेवरों और कारोबारी करदाताओं के वर्ग द्वारा चुकाए गए कुल आयकर से काफी अधिक होता है। वेतनभोगी वर्ग के करदाताओं के कर की कटौती आमदनी अर्जित करने के स्रोत पर अर्जित आय पर की जाती है। इसे टीडीएस के रूप में जाना जाता है। टीडीएस के कारण वेतनभोगी नियमानुसार अपने वेतन पर ईमानदारीपूर्वक आयकर चुकाते हैं और आमदनी को कम बताने की गुंजाइश नगण्य होती है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वर्ष 2022–23 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 2.24 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। यानी देश की कुल आबादी का 1.60 फीसदी लोग ही आयकरदाता हैं। साथ ही देश में शून्य आयकर देयता वाले आईटी रिटर्न की संख्या भी लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2022–23 में 5.16 करोड़ हो गई। करीब 70 फीसदी आयकर रिटर्न शून्य आयकर देयता बता रहे हैं। इनमें अधिकांश रिटर्न वे हैं जो उद्योग–कारोबार और पेशेवर आयकरदाताओं से संबंधित हैं।

चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार वित्तीय अनुशासन की दृढ़ता दिखा रहे है। ऐसे में यदि केंद्र को अपने घाटे को चालू वर्ष में जीडीपी के 5.9 फीसदी और 2025–26 में 4.5 फीसदी तक लाना है तो ढेर सारी लोकलुभावन योजनाओं के लिए राजकोषीय गुंजाइश सीमित है। वस्तुतः अगले दो वर्षों में 1.4 फीसदी की कमी चुनौतीपूर्ण होगी। ऐसे में वित्तमंत्री 2024–25 के लिए सीमित राजकोषीय घाटे वाला अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई देंगी। इससे सत्ताधारी दल की बढ़ती राजनीतिक पूंजी आने वाले महीनों में मजबूत आर्थिक सुधार और तेज विकास का आधार बन सकती है। निरूसंदेह इस अंतरिम बजट में विभिन्न रियायतों तथा लोकलुभावन योजनाओं का कम बोझ होने से वर्ष 2024 के आम बजट चुनाव के बाद पेश किया जाने वाला वर्ष 2024–25 का पूर्ण बजट बेहतर होगा। साथ ही इससे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की डगर पर आगे बढ़ाने में प्रभावी मदद भी मिलेगी।

सुभाष का तेज और 'दिल्ली चलो' का उद्घोष

-डा० राजेश कुमार शर्मा-

महान व्यक्तियो का जीवन हमे यह याद दिलाता है कि हम भी अपने जीवन को महान बना सकते है और विछुड़ते हुये समय की रेत पर अपने पदचिन्ह छोड़ सकते हैं। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के अद्वितीय योद्धा श्री सुभाष चन्द्र बोस और उनके द्वारा गठित 'आजाद हिन्द फौज' के कार्यों का उल्लेख किये बिना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अधूरी ही रह जाती है।

इस बात में थोड़ा भी सन्देह नहीं है कि सुभाष चन्द्र बोस एक देशभक्त एवं उच्च महत्वाकांक्षा वाले युवक थे। सुभाष चन्द्र बोस वामपंथी विचारधारा से प्रेरित गांधीजी के नियमो तथा विषयों से भिन्न थे। वैचारिक भिन्नता होने के कारण गांधीजी तथा सुभाष चन्द्र बोस के सम्बन्ध बिगड़ते गये। सुभाष चंद्र बोस यद्यपि कांग्रेस के अध्यक्ष दो बार बने लेकिन अन्ततः कांग्रेस का त्याग किया और अपने वामपंथी समर्थकों के सहयोग से उन्होने 'फारवर्ड ब्लाक' की स्थापना की। वर्ष 1940 में सुभाष चन्द्र बोस को भारत रक्षा कानून के अन्तर्गत ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जहाँ आमरण अनशन करने के कारण उनकी सेहद खराब होने लगी। फिर उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया गया लेकिन 26 जनवरी 1941 को एकाएक यह प्रकट हुआ कि सुभाष चन्द्र बोस भारत छोड गये है और इसके लगभग एक वर्ष बाद भारतीय जनता को बर्लिन रेडियों ने उनका सन्देश प्रसारित किया और यह सुनने को मिला कि उनके द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'आजाद हिन्द फौज' का गठन किया गया है।

ठीक इसी समय पूर्व एशिया में मार्च 1942 में टोकियो सम्मेलन द्वारा रासबिहारी बोस ने एक 'इंडियन इण्डिपेण्डेण्ट लीग' की स्थापना की तथा सुभाष नवगठित लीग की अध्यक्षता के लिये आमन्त्रित किया। 4 जुलाई को सिंगापुर में सुभाष ने लीग की अध्यक्षता स्वीकार की तथा आजाद हिन्द फौज का बागडोर संभाला।

इसमें कोई सन्देह नहीं है कि सुभाषचन्द्र बोस उस विशाल फौज की सहायता से 'दिल्ली चलो'' का नारा देकर सशस्त्र विद्रोह फूँकना चाहते थे। सिंगापुर के अपने ऐतिहासिक भाषण में सुभाष चन्द्र बोस ने कहा – हमारी लड़ाई प्रत्येक प्रकार के साम्राज्यवाद के विरुद्ध है, चाहे वह अंग्रेजी साम्राज्यवाद हो या जापानी। साथियों, हमारा नारा होना चाहिये – 'दिल्लो चलो'। आज मैं आपको भूख–प्यास, घोर युद्ध तथा कठिनाइयों के अतिरिक्त और कुछ नही दे सकता––– हमें अपना सर्वस्व बलिदान कर देश की स्वतन्त्रता को प्राप्त करना है।" 'आजाद हिन्द फौज' को अपनी प्रेरणादायक सन्देश में उन्होंने कहा – "तुम मुझे खून दो, मै तुम्हें आजादी दूंगा।"

सुभाष चन्द्र बोस ने नागरिकों को भी इस फौज में भर्ती किया और "झांसी रेजीमेण्ट' नामक स्त्री सैनिकों का भी एक दल बनाया। सुभाष चन्द्र बोस का प्रमुख उद्देश्य जापानी सहयोग से आजाद हिन्द फौज के नेतृत्व में भारत पर आक्रमण करना तथा भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन एक नयी दिशा प्रदान करना था। फौज ने सर्वप्रथम अंडमान–निकोबार टापू पर अधिकार कर उसका नाम 'शहीद– स्वराज्य' कर दिया। आजाद हिन्द फौज जापानी फौजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बडी वीरता से लड़ते हुये असम स्थित इम्फाल तक जा पहुँचे। लेकिन इम्फाल का हमला विफल रहा और जापानी सैनिक पीछे हटने लगी। अन्ततः उसकी हार हुई। जापानियो के पराजय के साथ ही आजाद हिन्द फौज का भी पराजय हुआ और भारत–विजय का स्वप्न इसी के साथ समाप्त हो गया। टोकियो जाते समय वायुयान में आग लग जाने से श्री बोस की मृत्यु के साथ ही भारतीय स्वतन्त्रता संघर्ष का यह अध्याय समाप्त हो गया।

इस प्रकार भारत को स्वाधीनता दिलाने के लिये सुभाष चन्द्र बोस तथा ' आजाद हिन्द फौज' ने जो एडी–चोटी का जोर लगाया वह सब बेकार गया लेकिन फिर भी भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के इतिहास में उनके अविस्मरणीय योगदान को नकारा नही जा सकता है। सुभाष चन्द्र बोस तथा उनके नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज के संघर्ष ने भारतीय मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव छोडा। सुभाष चन्द्र बोस का अनुभव, त्याग, शौर्य और बलिदान हम सबको स्वाधीनता की रक्षा के लिये प्रेरणा देता रहेगा। भारतीय जनमानस में नेताजी की वह वीर छवि आज भी बनी हुई है – एक ऐसे जीवित नायक के रूप में, जो कभी भी सामने आकर 'जय हिन्द' का उद्घोष कर सकता है।

प्राण प्रतिष्ठा से राममय हुआ देश

—आर.के. सिन्हा—

अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य रूप से सम्पन्न हो गई। संत समाज के अलावा पूरे विश्व से मात्र लगभग ढाई – तीन हजार चुनिंदा लोगों को आमंत्रित किया गया था जिसमें सौभाग्य से मैं सपत्नीक आमंत्रित था ।यह सबों के लिये जीवन के एक दुर्लभ क्षण के रूप में याद रखा जाएगा। यह कल्पना से परे अविस्मरणीय दृश्य रहा। अयोध्या के राम मंदिर में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि – विधान के साथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके साथ ही सारा देश सारा देश राममय हो गया ।पूरे देश क्या विश्व भर के राम भक्तों के मन में भावनाओं की अनंत आनंद के हिलोरें हैं। भावनाओं की अभिव्यक्ति में शब्द सक्षम या पर्याप्त नहीं हैं। कश्मीर में बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों से लेकर कन्याकुमारी में धूप से सराबोर समुद्र तटों तक,राम नाम की गूंज ने पूरे भारत में भक्ति का माहौल बना दिया है। अब अयोध्या में ऐतिहासिक राम मंदिर भारत की एकता और भक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, न केवल भव्यता में, बल्कि देश–विदेश से मिले योगदान के रूप में भी यह मंदिर अद्वितीय है ।कई बुद्धिमान कह रहे थे कि दक्षिण के प्रदेशों में , खघसकर तमिलनाडु और केरल में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का विरोध हो रहा है । लेकिन , आज अयोध्या की सड़कों पर जो दृश्य मैंने देखा वह तो बिलकुल अलग था । छोटे से अयोध्या नगरी में लाखों स्त्री – पुरुष भरे पड़े हैं । कोई सड़क खघली नहीं दिखी । सरयू का तट भी भरा पड़ा है । इसमें पूरे देश के सभी राज्यों से आये हुए लोग थे । तमिलनाडु तो भरपूर थे । शंकर महादेवन का राम का भजन तो अद्भुत था । प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्र स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत हजारों राम भक्तों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया ।सभी के सभी अथिति सुबह दस बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक मंत्र मुग्ध होकर बैठे रहे , चाहे अमिताभ बच्चन हो या मुकेश अंबानी , सचिन तेंदुलकर हों या अक्षय कुमार , माधुरी दीक्षित हों, कंगना रानौत, श्री श्री रविशंकर हों या बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री , हेमा मालिनी जी हों या दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा , सब के सब साढ़े पाँच घंटे बैठे रहे !

मुझे भी सपत्नीक इस अनुपम और यादगार अवसर पर राम लला के दर्शन का सौभाग्य मिला ।बेशक, यह मंदिर उस अटूट विश्वास और उदारता का प्रमाण है जो किसी सीमा से परे किसी मंदिर के तीर्थाटन के लिए पूरे देश को जोड़ती है। मंदिर का मुख्य भाग तो राजसी ठाठ –बाट लिए हुए है। यह राजस्थान के मकराना संगमरमर की प्राचीन श्वेत शोभा से सुसज्जितहै। इस मंदिर में देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी कर्नाटक के चर्मोथी बलुआ पत्थर पर की गई है। जबकि, प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मैं मानता हूं कि इस मंदिर के लिए भक्तों का किया गया योगदान निर्माण सामग्री से से लेकर कहीं आगे तक जाता है। मंदिर में गुजरात की उदारता उपहार स्वरूप 2100 किलोग्राम की शानदार अष्टधातु घंटी के रूप में दिखती है जो इसके हॉलों में दिव्य धुन के रूप में गूंजा करेगी । इस दिव्य घंटी के साथ, गुजरात ने एक विशेष श्नगाड़ाश ले जाने वाला अखिल भारतीय दरबार समाज द्वारा तैयार 700 किलोग्राम का रथ भी उपहार स्वरूपदिया है। भगवान राम की मूर्ति बनाने में इस्तेमाल किया गया काला पत्थर कर्नाटक से आया है। हिमालय की तलहटी से अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा ने जटिल नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे और हस्तनिर्मित संरचना पेश किए हैं,जो दिव्य क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में खड़े हैं ।इस भव्य और दिव्य मंदिर के लिए योगदान की सूची यहीं खघ्त्म नहीं होती। पीतल के बर्तन उत्तर प्रदेश से हैं। यहां पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी भरपूर क्रेडिट देना होगा जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति को निरंतर बारीकी से खुद देखा। उनकी राज्य के मुख्यमंत्रित्व के दायित्वों के साथ–साथ मंदिर के निर्माण के काम पर पैनी नजर रही। राम मंदिर की कहानी सिर्फ सामग्री और उसकी भौगोलिक उत्पत्ति के बारे में बताकर ही समाप्त नहीं होती है । यह उन अनगिनत हजारों प्रतिभाशाली शिल्पकारों और कारीगरों की भक्तिपूर्ण मेहनत की कहानी है , जिन्होंने मंदिर निर्माण के इस पवित्र प्रयास में अपना दिल, आत्मा और कौशल डाला है। इस बीच, जहां सोमवार को जब राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हो रहा था तब पर देश के लाखों मंदिरों और चौराहों पर हनुमान चालीसा और पर सुंदर कांड का पाठ चल रहा था। अकेले दिल्ली–एनसीआर में दो हजार से अधिक स्थानों पर सुंदर कांड का पाठ हुआ। दिल्ली से सटे एनसीआर में ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के उदभट विद्वान डॉ. जे.पी. शर्मा 'त्रिखा' के नेतृत्व में सैकड़ों भक्तों ने सुंदर कांड में भाग लिया। इसी तरह से देश भर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर लाखों स्थानों पर भंडारों के कार्यक्रम चले।

बेशक,राम मंदिर अयोध्या में सिर्फ एक स्मारक नहीं है, यह विश्वास की एकजुट संकल्प शक्ति की सफलता का बेमिसाल उदाहरण बनकर उभरा है । हर पत्थर,हर नक्काशी,हर घंटी,हर संरचना श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की कहानी कहती है , जो भौगोलिक सीमाओं से परे सामूहिक आध्यात्मिक यात्रा में दिलों को जोड़ता है। राम मंदिर निर्माण में रूड़की के सीएसआईआर–सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीटयूट, हैदराबाद के सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई)य बेंगलरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) और सीएसआईआर–इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी) पालमपुर (एचपी) का भी अहम योगदान रहा। सीएसआईआर–सीबीआरआई रूड़की ने राम मंदिर निर्माण में प्रमुख योगदान दिया है। सीएसआईआर–एनजीआरआई हैदराबाद ने नींव डिजाइन और भूकंपीय सुरक्षा पर महत्वपूर्ण इनपुट दिएय डीएसटी–आईआईए बेंगलुरु ने सूर्या तिलक के लिए सूर्य पथ पर तकनीकी सहायता प्रदान कीय और सीएसआईआर–आईएचबीटी पालमपुर ने अयोध्या में दिव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए ट्यूलिप खिलाए हैं। इस मौसम में ट्यूलिप में फूल नहीं आते। यह केवल जम्मू–कश्मीर और कुछ अन्य ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में ही उगता है और वह भी केवल वसंत ऋतु में। इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी पालमपुर ने हाल ही में एक स्वदेशी तकनीकी विकसित की है, जिसके माध्यम से ट्यूलिप को उसके मौसम का इंतजार किए बिना पूरे वर्ष उपलब्ध कराया जा सकता है।

इस बीच, राम मंदिर के निर्माण में कहीं भी सीमेंट या लोहे और इस्पात का उपयोग नहीं किया गया है। तीन मंजिला मंदिर का संरचनात्मक डिजाइन भूकंप प्रतिरोधी बनाया गया है और यह 2,500 वर्षों तक रिक्टर पैमाने पर 8 तीव्रता के मजबूत भूकम्पीय झटकों को बर्दाश्त कर सकता है ।सीएसआईआर– सीबीआरआई रूड़की प्रारंभिक चरण से ही राम मंदिर के निर्माण में शामिल रहा है। संस्थान ने मुख्य मंदिर के संरचनात्मक डिजाइन, सूर्य तिलक तंत्र को डिजाइन करने, मंदिर की नींव के डिजाइन की जांच और मुख्य मंदिर की संरचनात्मक देखभाल की निगरानी में योगदान दिया है।

इसके अलावा, हैदराबाद के एनजीआरआई ने भी नींव डिजाइन और भूकंपीय, भूकंप सुरक्षा पर महत्वपूर्ण इनपुट दिए। कुछ आईआईटी विशेषज्ञ सलाहकार समिति का भी हिस्सा थे और यहां तक कि भव्य भवन के निर्माण में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का भी उपयोग किया गया है। राम मंदिर की एक अनूठी विशेषता इसका सूर्य तिलक तंत्र है, जिसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि अगले एक हजार वर्ष तक हर वर्ष श्रीराम नवमी के दिन दोपहर 12 बजे लगभग 6 मिनट के लिए सूर्य की किरणें भगवान राम की मूर्ति के माथे पर पड़ेंगी यानि सूर्य अपने सूर्यवंशी राम को अपनी किरणों का तिलक लगायेंगे । राम नवमी हिंदू कैलेंडर के पहले महीने के नौवें दिन मनाई जाती है, यह आमतौर पर मार्च–अप्रैल में आती है, जो भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्मदिन का प्रतीक है। बहरहाल, राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देशभक्त भारतवासियों के खंडित स्वाभिमान की फिर से स्थापना हो गई है। इससे सारा भारत प्रसन्न है।

समय बड़ा बलवान

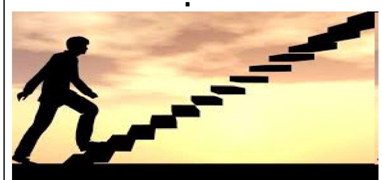

—संजीव ठाकुर—

गुजरे हुए समय और बीते कल के मूल्य को बेंजामिन फ्रैंकलीन ने पहचानते हुए कहा था बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। यह वाक्य अत्यंत यथार्थ भी है, खोया हुआ धन अर्जित कर सकते हैं पर खोई हुई ख्याति,इज्जत को प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।समय को एक बार खो देने के बाद वापस प्राप्त करना बहुत मुश्किल ही नहीं असंभव है ।इसीलिए यह कहावत कही गई है ष्काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी बहुरि करेगा कबष्प्रसिद्ध लेखक मेसन ने समय को महिमामंडित करते हुए कहा है सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है। प्लेटफार्म पर खड़ी रेलगाड़ी भी अपने यात्रियों का इंतजार नहीं करती और देर से पहुंचने वाले यात्री हाथ मलते रह जाते हैं,उनके पास अफसोस करने के अलावा कुछ नहीं रह जाता ।समय और समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती, समय के महत्व को दर्शाते प्रकृति के कई उदाहरण भी हैं, बरसात के समय वर्षा देर से आने से कृषि सूख जाती है. इसलिए कहा गया है ष्का वर्षा जब कृषि सुखावे,ष इसीलिए इतिहास में महान लोगों ने समय के साथ निज के अनुशासन और श्रम के महत्व को अपने जीवन में अपनाकर अपने आप को बड़ा बनाकर इतिहास में अपना नाम स्थापित किया हैस समाज में जितने भी प्रसिद्ध, नामचीन और महान बने हैं, या उदाहरण देने लायक बने हैं, उन सब ने समय को समय देकर अपने आप को समाज में अग्रणी स्थान पर स्थापित किया है,और हजारों,लाखों लोग उनका सम्मान कर उनका अनुसरण भी करने लगते हैं। समय का महत्व और निज पर शासन फिर अनुशासन एक दूसरे से जुड़े तथा पर्यायवाची ही है। जिसमें भी समय के महत्व को समझते हुए उसका अनुशासन के साथ उपयोग किया है,वे अपनी जिंदगी में आर्थिक सामाजिक एवं वैश्विक रूप से अपने आप को सफल बना चुके हैं। विद्वानों में यह भी कहा है कि जो कार्य जिंदगी में आप को सबसे कठिन एवं क्लिष्ट लगने लगता हैद्य उसे समय और अनुशासन के साथ सबसे पहले किया जाना चाहिए, और तब तक करना चाहिए जब तक वह कार्य अपनी परिणति तक ना पहुंचे, और ऐसी प्रक्रिया से आप सफलता की सीढ़ी चढ़कर एक सफलतम व्यक्तित्व बन सकते हैं। और सफल व्यक्ति ही समाज को दृढ़ समृद्ध और महान बना सकता है। पश्चिमी देशों में इंग्लैंड का नाम इसीलिए भी ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम कहा जाता है उन्होंने अनुशासन और समय का सर्वाधिक सदउपयोग कर पूरे विश्व में किसी समय राज किया था। हालांकि समय और अनुशासन का उन्होंने दमन नीति अपनाकर अनुचित उपयोग भी किया था। सकारात्मक रूप से भारत के वैज्ञानिको ने समय तथा अनुशासन का पालन करते हुए अपने अन्वेषण और शोध में कठोर श्रम करके जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की, वह वैश्विक रूप से स्वीकार हुई, और उन्हें अनेक राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए। जो व्यक्ति अपना निश्चित कार्यक्रम बना कर मानसिक वृत्तियों को संयमित, मर्यादित कर कार्य करता है, उसे जीवन संग्राम में अवश्य बड़ी सफलता अर्जित होती है ।समय के महत्व को समझने के लिए वैसे तो सभी वर्गों के लिए यह आवश्यक है, पर समय की महत्ता का सर्वाधिक महत्व विद्यार्थियों के लिए होता है। जो विद्यार्थी समय को महत्व को समझते हुए अनुशासित तरीके से मेहनत करता है उसे परीक्षाओं में दिल से सफलताएं प्राप्त होती हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में समय के महत्व को ध्यान में रख पढ़ाई करके वह बड़ी–बड़ी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर बड़े–बड़े पदों को प्राप्त करते हैं बोलतें हैं कि जीवन में समय का दुरुपयोग एक तरह से आत्महत्या के समान है। समय का दुरुपयोग जीवन की सफलता का प्रमुख कारण है। क्योंकि समय के व्यतीत हो जाने के बाद अफसोस करने से गुजरा हुआ समय वापस नहीं लौटता और व्यक्ति के पास पछताने के अलावा कुछ नहीं बच पाता ।युवा वर्ग को खासकर शरीर को स्वस्थ रख समय पर निंद्रा, भोजन,व्यायाम करने की आदत डाल लेना चाहिए,वैसे तो युवा वर्ग को समयानुसार अलसुबह उठकर ताजी हवा लेने का नियम बनाकर ब्रह्म मुहूर्त में अध्ययन करने की नियमावली बना लेना चाहिए ।देर से उठने वाले हर काम देरी से करने के लिए मजबूर हो जाते हैं ,समय पर कार्य करने से मनुष्य की व्यक्तिगत प्रगति तो होती ही है उसके निजी व्यक्तित्व में भी विकास तथा चार चांद लग जाते हैं। एक विद्वान ष्पेरिक्लेसष ने समय को सबसे बड़ा बुद्धिमान सलाहकार माना है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा निम्न लिखित भवन संख्या के स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवरतन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701007036631R	PM5172324002807	विन्दुमती देवी पत्नी तेजपाल सिंह	तेजपाल सिंह	माता बदल सिंह	वारिस
2	0951701005027572R	PM5172324002795	श्रीमती राधारानी पत्नी रामलखन गुप्ता	विन्ध्याचल गुप्ता	रामलखन	फेमिली सेटरमेन्ट
3	0951701008033877R	PM5172324002788	श्रीमती तेरसा देवी पत्नी रमापति यादव	नरेन्द्र प्रताप	रामापति यादव	वारिस
4	0951701005023378R	PM5172324002791	उमाशंकर लाल पुत्र राजकुमार लाल	सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	उमाशंकर लाल श्रीवास्तव	वारिस
5	0951701007027852R	PM5172324002786	बनारसी लाल पुत्र गोपाल दास	रंजीत सिंह सेठी	बनारसी लाल सेठी	वारिस
6	0951701005026471R	PM5172324002787	बनारसी लाल पुत्र गोपाल दास	रंजीत सिंह सेठी	बनारसी लाल सेठी	वारिस
7	0951701006035527R	PM5172324002785	श्रीमती सध्यारजक पत्नी रामसजीवन	किरन देवी	प्रवेश कुमार	रजि0 सेल डीड
8	0951701004026243R	PM5172324002782	परमात्मा प्रसाद पुत्र रामदेव	अनिल कुमार	परमात्मा प्रसाद	वारिस
9	0951701004030116R	PM5172324002781	अशरफी पुत्र रामदीन	प्रभावती देवी	अशर्फी लाल चौधरी	वारिस
10	0951701006024617R	PM5172324002780	श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी गंगा प्रसाद	संतोष कुमार श्रीवास्तव	गंगा प्रसाद श्रीवास्तव	वारिस
11	0951701008033856R	PM5172324002777	रजी अहमद खांन पुत्र श्री शफी अहमद खांन	फातमा बेगम	मो0 खालील खान	रजि0 सेल डीड
12	0951701001023851R	PM5172324002773	श्रीमती जनक दुलारी पत्नी रामशंकर	विनोद कुमार गुप्ता	स्व0 रामशंकर	रजि0 वसीयत
13	0951701001024480R	PM5172324002774	श्रीमती जनक दुलारी पत्नी रामशंकर	विनोद कुमार गुप्ता	स्व0 रामशंकर	रजि0 वसीयत
14	0951701007019247R	PM5172324002771	श्री शमीम अहमद खान पुत्र स्व0 शफीक अहमद खां	सारा बतूल	डा0 तौहिद अहमद	रजि0 सेल डीड
15	0951701004026241R	PM5172324002770	संगीता देवी पत्नी शैलेन्द्र कुमार भाषकर	कृष्णा सोनी	लक्ष्मी प्रसाद सोनी	रजि0 सेल डीड
16	0951701006028164R	PM5172324002768	रामचन्द्र पाण्डेय पुत्र भाषकर पाण्डेय	सुनीता पाण्डेय	राजेश पाण्डेय	रजि0 वसीयत
17	0951701006031006R	PM5172324002765	लालचन्द्र फूलचन्द्र पुत्र राज कुमार	रमेश चन्द्र गुप्ता	फूलचन्द्र गुप्ता	वारिस
18	0951701003037358N	PM5172324002767	श्री सूरज सोनी अध्यासी	स्कन्ध कुमार वर्मा	कृष्ण गोपाल	रजि0 वसीयत
19	0951701006030228R	PM5172324002766	श्री मो0 नसीम अख्तर पुत्र हाजी अब्दुल	मोहम्मद अतहर	मो0 नसीम अख्तर	वारिस
20	0951701007025815R	PM5172324002763	सन्दर्श त्रिपाठी पत्नी वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी	वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी	बलराम प्रसाद त्रिपाठी	वारिस
21	0951701008036636R	PM5172324002762	श्री प्रेमचन्द्र श्रीवास्तव पुत्र काली प्रसाद	राकेश चन्द्र श्रीवास्तव	प्रेम चन्द्र श्रीवास्तव	वारिस
22	0951701003037643R	PM5172324002759	श्रीमती वशीरन पत्नी शाहिद अली	फातिमा	जमील अहमद	रजि0 वसीयत
23	0951701002025494R	PM5172324002758	श्री चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र स्व0 रामनरायन लाल	विन्दू श्रीवास्तव	चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव	वारिस
24	0951701007026275R	PM5172324002755	अब्दुल कयूम, अब्दुल अजीज, अब्दुल खालिक पुत्र अब्दुल कादिर	अब्दुल मालिक	अब्दुल खालिक	वारिस
25	0951701005021044R	PM5172324002753	श्रीमती सिंगारी देवी पत्नी जयकरन यादव	जवाहिर यादव	अगनू यादव	वारिस
26	0951701001024556R	PM5172324002752	राधेश्याम पुत्र भगौती प्रसाद	बजरंगी प्रसाद गुप्ता	राधेश्याम गुप्ता	रजि0 सेल डीड
27	0951701004030159R	PM5172324002749	श्रीमती हलीमुन्निश पत्नी मकबूल अहमद	ताहिरा बेगम	पीर मोहम्मद	रजि0 सेल डीड
28	0951701007020393R	PM5172324002746	प्रहलाद मोदी, राजेन्द्र कुमार, प्रदीप कुमार पुत्रगण रतनचन्द मोदी	प्रदीप कुमार मोदी	रतनचन्द मोदी	फेमिली सेटलमेन्ट
29	0951701008032421R	PM5172324002747	श्री अनवर अली पुत्र मो0 सलीम	मोहम्मद सैफ	अनवर अली	वारिस
30	0951701008031479R	PM5172324002744	श्री बाबूलाल यादव पुत्र रामनैन	रामनाथ	बाबूलाल यादव	वारिस
31	0951701004027520R	PM5172324002742	परमहंस पुत्र परमेश्वार	उमाशंकर, गौरी शंकर	परमहंस	वारिस
32	0951701008031768R	PM5172324002745	गिरधारी लाल	गजेन्द्र प्रसाद गौड़	गिरधारी प्रसाद	वारिस
33	0951701008036546R	PM5172324002741	श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी स्व0 विजय कुमार श्रीवास्तव, अशीष कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 विजय कुमार, रतनेश श्रीवास्तव, सतीश कुमार पुत्रगण स्व0 विजय कुमार श्रीवास्तव, रीना, नीलम श्रीवास्तव, रागिनी पुत्रीगण स्व0 विजय कुमार श्रीवास्तव, श्री जितेन्द्र तिवारी पुत्र रमेश, जुज भाग	जितेन्द्र तिवारी	रमेश तिवारी	रजि0 सेल डीड
34	0951701005026056R	PM5172324002739	विमल प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र हरिनरायन लाल	अशोक कुमार श्रीवास्तव	विमला प्रसाद श्रीवास्तव	वारिस
35	0951701004019141R	PM5172324002737	श्री सोती लाल पुत्र स्व0 शिवनाथ, श्रीमती राजमती देवी पत्नी रामनरायन, सूर्यनाथ पुत्र श्रीराम	तुफैल अहमद	मोहम्द यूनूस खान	रजि0 सेल डीड
36	0951701006028029R	PM5172324002732	मोहम्मद याकूब सिद्दीकी पुत्र मुहम्मद यूसूफ	कुसीदा बानो	स्व0 सिद्दीक खान	रजि0 सेल डीड
37	0951701001023821R	PM5172324002735	हनुमान प्रसाद बजरंग लाल पुत्रगण गोविन्द प्रसाद	भुवनेश्वर प्रसाद	हनुमान प्रसाद	वारिस
38	0951701006022983R	PM5172324002734	हसनैन खातून पत्नी अब्दुल हकीम	मो0 शफीक खान	अब्दुल हकीम खान	वारिस
39	0951701008035227R	PM5172324002725	सिद्धनाथ उपाध्याय पुत्र भोलानाथ	आरती उपाध्याय	सिद्धनाथ उपाध्याय	वारिस
40	0951701005021748R	PM5172324002724	श्री मोहम्मद अकील अब्बासी पुत्र मोहम्द खलील अब्बासी	अजहर हनीफ अब्बासी	मोहम्मद अकील अब्बासी	रजि0 सेल डीड
41	0951701008034747R	PM5172324002723	विश्वनाथ पुत्र रमेसर	कौशलानन्द चौधरी	विश्वनाथ चौधरी	वारिस
42	095170100605020469R	PM5172324002717	श्री अमित कुमार अस्थाना पुत्र स्व0 प्रेमजी अस्थाना, हरि प्रताप अस्थाना पुत्र स्व0 राम कुमार लाल अस्थाना	अतुल कुमार अस्थाना	रविचन्द्र अस्थाना	रजि0 सेल डीड
43	0951701008032243R	PM5172324002711	युगुलानन्द पाण्डेय पुत्र रामसुमेर पाण्डेय	योगेन्द्रनाथ पाण्डेय	युग्ला नन्द पाण्डेय	वारिस
44	0951701006029849R	PM5172324002701	रामचन्दर सिंह पुत्र श्री रामउजागिर सिंह	वीरेन्द्र प्रताप सिंह	रामचन्द्र सिंह	वारिस
45	0951701008034032R	PM5172324002668	श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव पुत्र स्व0 सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव	निरूपमा श्रीवास्तवा	रमेश चन्द्र श्रीवास्तवा	वारिस
46	0951701005020365R	PM5172324002661	श्री उज्जवल श्रीवास्तव पुत्र श्री जोगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	हर्षिता वर्मा	लक्की वर्मा	रजि0 सेल डीड
47	0951701004027706R	PM5172324002619	जमीदुन्निश पत्नी मो0 मुन्शी	मो0 जावेद	मोहम्मद मुन्शी	रजि0 वसीयत
48	0951701005026737R	PM5172324002576	श्रीमती रामरती पत्नी मंगरू व श्री दुर्गेश कुमार गुप्ता पुत्र मंगरू	रामरती देवी	मंगरू प्रसाद	वारिस
49	0951701006030906R	PM5172324002510	श्रीमती आरजू बेगम पत्नी अब्दुल समद	सबा खातून	रियासत अली	रजि0 सेल डीड

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
बस्ती

पत्रांकः— 6673 / न0पा0प0 बस्ती / कर अनुभाग / 2023—24   दिनांकः—23 जनवरी 2024

शोभायात्रा पर पथराव के बाद राममंदिर पर अभद्र टिप्पणी, 2 गिरफ्तार

संवाददाता—कुशीनगर। एक तरफ अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश जश्न में डूबा रहा, वहीं यूपी के कुशीनगर में कुछ अराजक तत्व माहौल बिगड़ाने की कोशिश करते रहे। पहली घटना कुशीनगर के कसया थाना क्षेत्र की ग्रामसभा बरवा बाजार में हुई जहां राममंदिर शोभायात्रा के दौरान दो पक्षों में झड़प के बाद ईंट—पत्थर चलाए गए। इसमें कई युवक घायल हो गए। उस घटना में पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक हुड़दंगियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। वहीं जिले के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र में एक मनबढ़ ने राम मंदिर को लेकर अभद्र टिप्पणी कर वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। कुशीनगर के कुबेर स्थ्थान थाना क्षेत्र से भी सोशल मीडिया में अभद्र टिप्प्पणी वायरल किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने वहां भी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही बस्ती में शोभायात्रा में डीजे बजाने और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में टेंट लगाने को लेकर विवाद हुआ। पुलिस और श्रद्धालुओं में नोकझोंक हुई। रामलला प्राण प्रतिष्ष्ठा को लेकर पूरे देश और खासतौर पर यूपी में पुलिस चौकन्ध्नी रही। इस दौरान आम तौर पर देश भर में शांति रही। इधर, कुशीनगर में छिटपुट ही सही माहौल बिगाड़ने की कोशिशों को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में किसी को भी बख्श्शा नहीं जाएगा। कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाने की पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी की पहचान जंगल गोरख निवासी आरिफ अंसारी पुत्र रियाजउद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा वीडियो के आधार पर उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुबेरस्थान संवाद के अयोध्या में हुई प्राण प्रतिष्ठा को लेकर क्षेत्र के युवक आजम खां निवासी सखवनिया बुजुर्ग खान टोला ने सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी की। सोशल मीडिया पर टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी की तलाश कर उसे दबोच लिया। इस मामले में पुलिस ने केस भी दर्ज कर लिया है। एसओ कुबेरस्थान अजय मौर्य ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय विकास खंड के परसा उर्फ सिरसिया गांव में उस समय माहौल गरमा गया जब अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर निकले शोभायात्रा के दौरान एक महिला द्वारा अपशब्द बोल झगड़े पर उतारू हो गई।

फ्री राशन को लेकर बदला नियम, गेहूं-चावल लेने के लिए प्रत्येक सदस्य को लगाना होगा अंगूठा

संवाददाता—गोण्डा। केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को यूपी में बांटे जा रहे फ्री राशन को लेकर नियम बदल गया है। मुफ्त में गेहूं—चावल लेने के लिए राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य को अब कोटे की दुकान तक जाना होगा। यही नहीं हर सदस्य को अब अंगूठा भी लगाना होगा। इसके बाद ही राशन मिल पाएगा। हालांकि ये नियम अभी गोंडा में ही लागू हुआ है। दरअसल गोंडा जिला पूर्ति विभाग ने अब यूनिट सत्यापन की तैयारी शुरू की है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में करीब पांच लाख 40 हजार परिवारों के पास पात्र गृहस्थी और करीब 65 हजार परिवारों के पास अंत्योदय राशन कार्ड है। इन्हें हर महीने 1789 कोटदारों के माध्यम से फ्री में गेहूं—चावल दिया जा रहा है। इनमें करीब एक लाख लाभार्थी ऐसे हैं जो अपात्र हैं। इनकी पहचान के लिए विभाग ने सत्यापन कराने की कोशिश की लेकिन सत्यापन नहीं हो पाया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोंडा में करीब एक लाख से ज्यादा ऐसे कार्ड धारक हैं जिनके पास बंग्ला, गाड़ी और कोठी मौजूद है, वह भी फ्री गेहूं—चावल का लाभ ले रहे हैं। इनके सत्यापन के लिए कोटेदारों को अब नया निर्देश जारी किया गया है।

श्रीवेद मंदिर में 11 हजार दीपक जलाकर मनाई गई दिवाली

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। पांच सौ वर्षों बाद श्रीरामलला अपने नव्य, भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस खुशी में अयोध्यानगरी समेत देश—दुनिया में दीए जलाकर दिवाली मनाई गई। जगह—जगह लोगों को प्रसाद वितरण हुआ। आतिशबाजियां की गई, जिसका सिलसिला देररात्रि तक चला। पूरी अयोध्या उल्लास में डूबी रही। यहां के मठ—मंदिरों में उत्सव जैसा माहौल था। इसी क्रम में रामकोट स्थित श्रीवेद मंदिर में 11 हजार दीपक जलाकर दिवाली मनी और आतिशबाजी की गई। इसके साथ—साथ लड्डू बांटा गया। इस मौके श्रीवेद मंदिर सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रामनरेश दास महाराज ने कहा कि हमारे आराध्य श्रीरामलला अपने नूतन मंदिर में आ गए हैं। जो हम सबके लिए खुशी की बात है। इससे हम अपने आपको गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। रामलला के प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव के हम सब साक्षी बने, जिससे हमारा जीवन धन्य हो गया। इस ऐतिहासिक पल को हम कभी नही भूल पायेंगे। उन्होंने कहा कि राममंदिर के लिए लाखों लोग बलिदान हो गए। 5 सौ वर्षों तक लंबा संघर्ष चला। तब कहीं जाकर हिंदुओं के पक्ष में फैसला आया। राममंदिर निर्माण से उनका सपना पूरा हुआ। हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है। जिसने राममंदिर बनते देखा और उसमें श्रीरामलला सरकार को विराजमान होते। यह 22 जनवरी की तारीख इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। रामलला के विराजमान होने की खुशी में हम संत—महंतों ने दीपक जलाकर दीवाली मनाया और प्रसाद का वितरण किया। अयोध्या में इस समय उत्सव का माहौल है। संत—महंत से लेकर भक्तगण सभी इस समय उल्लास में डूबे हुए हैं। चहुंओर रामलला के विराजमान होने की खुशियां मनाई जा रही है। लड्डू बांटा जा रहा है और आतिशबाजियां हो रही है।

नेताजी की जयंती पर बच्चों ने बनाई मानव शृंखला

संवाददाता—गोण्डा। जिले में मंगलवार को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र—छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर रिकॉर्ड कायम किया। विद्यालयों के छात्राओं ने लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला बनाकर यात्रियों को जागरूक किया। मानव श्रृंखला का नेतृत्व डीएम नेहा शर्मा ने किया। डीएम ने यात्रियों से यातायात नियमों के पालन करने की अपील करते हुए कहा कि लोगों को जागरूकता खुद लानी पड़ेगी। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके। छात्र छात्राओं के मानव श्रृंखला को अम्बेडकर चौराहें से टॉमसन कालेज तक पैदल चलकर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गयी।

श्री सियाराम किला में मिथिला शरण महाराज की प्राण प्रतिष्ठा हुई संपन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। सिद्ध पीठ सियाराम किला झुंकी घाट मंदिर के प्रथम पीठ आदिश्वर ब्रह्मलीन स्वामी मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद अपने भव्य मंदिर में विराजे। बहुत शुक्ल पक्ष सप्तमी बुधवार 17 जनवरी से मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के संयोजन में यह महोत्सव मनाया जा रहा था जिसमें कलश यात्रा से प्रारंभ हुआ यह महोत्सव 22 जनवरी सोमवार को श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ श्री महाराज के भी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई वैदिक विद्वानों ने विधिपूर्वक यह प्रक्रिया संपन्न कराई। श्री महाराज जी ने बताया कि श्री महाराज जी सियाराम किला के प्रथम पीठाधीश्वर थे और श्री सियाराम किला बिहारणी बिहारी जू सरकार की सेवा में लीन रहते थे। भजन के साथ—साथ संत सेवा गौ सेवा ब्राह्मण सेवा दरिद्र नारायण की सेवा करते थे और आश्रम में वह सेवा आज भी निरंतर चल रही है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर डॉ स्वामी प्रभंजनानंद शरण महाराज की चल रही श्री राम कथा का भी समापन हुआ समापन के सत्र में श्री महाराज जी ने कहा की प्रभु श्री राम की बहुत बड़ी अनुकंपा थी की 22 जनवरी को वह अपने भव्य भवन में विराजे और उन्हीं के साथ—साथ सियाराम किला के प्रथम पीठाधीश्वर महाराज मिथिला शरण जी महाराज भी अपने मंदिर में विराजमान हुए। इस अवसर पर श्री राम कथा प्रभु श्री राम के साथ—साथ श्री महाराज जी को भी सुनाया गया। उन्होंने कहा कि अवसर पर प्रभु श्री राम की अनुकंपा जिस पर थी उसी ने कथा श्रवण किया और कथा सुनने वाले के ऊपर भी उन्हीं की कृपा थी तब अयोध्या की दिव्य भूमि पर मुझे कथा सुनने का अवसर मिला इससे श्रोता और वक्त दोनों धन्य हो गए। कथा के समापन पर व्यास पीठ की आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया।

धूमधाम से मनाया गया नेता नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

महराजगंज। नगर के पं० दीन दयाल इण्टर कॉलेज मगलवार देश के महान स्वतंत्रता सेनानी तथा आजादी के लिए अपना प्राणोत्सर्ग कर देने वाले नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती समारोह पूर्वक मनायी गयी। संस्था के प्रधानाचार्य डॉ० शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने नेता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित छात्रों को सम्बोधित करते हुए डॉ० सिंह ने कहा कि नेताजी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनका सम्पूर्ण जीवन माँ भारती की सेवा में समर्पित रहा।आई०सी०एस० जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा पास करने के बावजूद भी नेताजी ने सरकारी नौकरी की अपेक्षा देश सेवा को सर्वोपरि रखा।आजाद हिंद फौज का गठन कर देश को विदेशी आक्रांताओं के चंगुल से आजाद कराने हेतु नेता जी जीवन पर्यंत प्रयत्नशील रहे। यह उनकी लोकप्रियता का ही प्रमाण है कि जापान जाते समय वायु दुर्घटना में उनके निधन की खबर पर देशवासियों को विश्वास नहीं हुआ।अधिकांश लोगों का मत था कि नेताजी वायुयान दुर्घटना के बाद भी कई वर्षों तक जीवित रहे।

इस अवसर पर संस्था के आनंद प्रकाश राव, घनश्याम राव, जितेन्द्र वर्मा,अशोक तिवारी,वासुदेव प्रजापति, उमा वर्मा, नीलम प्रजापति ,शैल कुमारी, ऐश्वर्या आदि शिक्षक—शिक्षिकायें तथा छात्र उपस्थित रहे।

तपस्या का फल देखने को मिला —गणेश दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या की प्रतिशत पीठ श्री अवध बिहारी कुंज अयोध्या धाम में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्री श्री 108 श्री महंत गणेश दास महाराज के संयोजन में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर भारत ही नहीं बल्कि पड़ोसी देश नेपाल से आए जगतगुरु का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर को फूलों से सजाया गया ठाकुर जी को फूल बंगला की झांकी में बिठाया गया जैसे श्री राम जन्मभूमि पर रामला भव्य मंदिर में फूलों के बीच विराजमान हुए वैसे ही अवध बिहारी कुंज के ठाकुर जी भी फूल बंगले में विराजे बढ़ाई गई और भारत के कोने—कोने से आए संतों का सम्मान किया गया। महंत गणेश दास महाराज ने बताया कि कई पीढियां की तपस्या के कारण हम लोगों ने रामलला को अपने इन आंखों से भव्य मंदिर में विराजमान होते देखा यह हमारा सौभाग्य हमारे पूर्वजों हमारे गुरुजनों के परिश्रम का फल था इसी को लेकर के राजस्थान मध्य प्रदेश से आए संतों का मंदिर में स्वागत किया गया ठाकुर जी को पंचामृत से स्नान कराया गया बढ़ाई गई अच्छे—अच्छे व्यंजनों का भोग लगाया गया और सबको प्रसाद वितरण किया गया। मोहल्ले के बच्चों ने मंदिर के आसपास रंगोली बनाई उनको भी प्रसाद दिया गया और सम्मानित किया गया पूरी अयोध्या रोशनी से जगमगा उठी ऐसा लग रहा त्रेता युग वापस आ गया हो।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बोले-सबको दर्शन देंगे रामलला, धैर्य रखें

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने मंगलवार की शाम लाखों भक्तों से अपील की है कि वो धैर्य और शांति बनाए रखें, रामलला के दर्शन सबको मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भक्तों का सैलाब देखते हुए रामलला ने आज विश्राम भी नहीं किया है। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन आस–पास के जिलों और दूसरे राज्यों से आए पांच लाख से ज्यादा भक्त दर्शन के लिए जुटे हैं। सरकार के सीनियर अफसर के मुताबिक अब तक तीन लाख लोग दर्शन कर चुके हैं और इतने ही लोग बाहर कतार में हैं जिनके लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सुबह ही कह दिया था कि इतने भक्त आए हैं कि आज सबको दर्शन नहीं मिल पाएगा। राम मंदिर मार्ग पर भक्तों की कई किलोमीटर लंबी कतार है। प्रशासन की व्यवस्था कई बार भीड़ के दबाव में टूट गई। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस ने लाठियां भी लहराई। अयोध्या जिला प्रशासन के लिए लाखों भक्तों के रैला को संभालने का यह पहला अनुभव है जिसमें हर बीतते दिन के साथ हासिल अनुभव के आधार पर बेहतरी की संभावना है। अयोध्या प्रशासन के आग्रह पर भक्तों की आ रही भीड़ को फिलहाल रोकने के लिए लखनऊ से 80 बसों का संचालन बंद कर दिया गया है। गोरखपुर से आ रही या जा रही बसों के लिए दूसरे रास्ते तय किए गए हैं। अयोध्या में भक्तों के जन–सैलाब की वजह से दर्शन में अव्यवस्था की खबर सुनते ही सीएम योगी आदित्यनाथ लखनऊ से हेलिकॉप्टर से अयोध्या पहुंचे और भीड़ और इंतजाम का हवाई निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजय प्रसाद और डीजी (विधि–व्यवस्था) प्रशांत कुमार मंदिर परिसर में ही हैं। दोनों टॉप अफसर भक्तों की भीड़ और दर्शन की व्यवस्था के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 22 जनवरी यानी सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण राजनीति, उद्योग, फिल्म जगह से जुड़े लोगों को भी दिया गया। ज्यादातर लोग अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे। इनमें कुंडा विधायक राजा भैया भी शामिल थे। प्राण प्रतिष्ठा के बाद राजा भैया ने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान राजा भैया ने रामनामी समुदाय के मुखिया से भी मुलाकात की। रामलला के दर्शन करने के बाद वापस कुंडा लौटे राजाभैया ने अयोध्या में बिताए क्षणों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, श्री रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनना जीवन का सबसे अमूल्य क्षण रहा। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह खत्म होने के बाद सोमवार की रात भर श्रद्धालु रामजन्मभूमि पथ के सामने ही डटे रहे। सुबह जैसे ही मंदिर खुला भीड़ एकाएक मंदिर में प्रवेश करने लगी। गर्भगृह में भारी भीड़ के दबाव के कारण कई लोगों की हालत बिगड़ गई। कुछ लोगों की सांसें फूलने लगीं तो कई लोग चोटिल हो गए। ऐसे लोगों को श्रीराम अस्पताल इलाज के लिए लाया जाता रहा। शाम छह बजे तक 102 लोगों को अस्पताल लाया गया। इसमें 8 लोगों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया जबकि इतने ही लोगों को भर्ती किया गया है। सीएमएस आरके शर्मा के अनुसार ज्यादातर मरीज सांस फूलने, चक्कर आने के साथ ब्लड प्रेशर बढ़ने के कारण पहुंचे हैं। राम मंदिर में श्रद्धालुओं की बेकाबू हुई भीड़ को देखते सीएम योगी हेलीकॉप्टर से सीधे अयोध्या पहुंच गए। इसके बाद अफसरों की मीटिंग बुलाई। अफसरों के साथ सीएम योगी की मीटिंग जारी है। सूत्रों के अनुसार मीटिंग में भीड़ नियंत्रण और उनकी सुविधा को लेकर कोई बड़ा फैसला हो सकता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए राम मंदिर में लॉकर सुविधा भी लागू की जा सकती है। इसको लेकर जल्द ही एक गाइड लाइन जारी होगी। राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था को लेकर भी कोई बड़ा फैसला हो सकता है।

माता कात्यायनी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ विशाल भंडारे का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकासखण्ड के महादेवरी गांव में माता कात्यायनी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा के पहले कई धार्मिक अनुष्ठान किए गए तथा नगर भ्रमण के दौरान माता जी की मूर्ति को लेकर क्षेत्र के सात मंदिरों के स्पर्श दर्शन भी कराए गए। नगर भ्रमण के उपरांत विधि विधान से माता की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद आयोजित भंडारे में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने और स्कूली बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में शामिल हुए अतिथियों का प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सदस्यों द्वारा अंग वस्त्र और माता की प्रतिमा भेंट करके स्वागत किया गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के सदस्य सन्तोष कुमार शुक्ल ने बताया कि क्षेत्र और गांव के लोगों के सहयोग और अथक परिश्रम से माता कात्यायनी जी का मंदिर तैयार हुआ है। बताया कि पिछले एक सप्ताह से विभिन्न कार्यक्रमों के उपरांत माता की प्राण प्रतिष्ठा हुई और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल, सांसद प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद शुक्ल, पूर्व प्रमुख योगेंद्र सिंह, समाजसेवी अमित सिंह, प्रेम शंकर ओझा, कृष्णा डेवलपर्स कम्पनी के एमडी बद्री विशाल पाण्डेय, उदय शंकर शुक्ल, विवेक कान्त पाण्डेय, अर्जुन उपाध्याय, मनीष चतुर्वेदी, संजय ओझा, इंद्रमणि पाण्डेय, विनोद चौधरी, राम सागर वर्मा, अतुल पाण्डेय आदि शामिल हुए।

न्याय यात्रा पर हमले के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर असम में हमले हो रहे हैं, जगह जगह यात्रा को रोका जा रहा है। इसके विरोध में बस्ती में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय की अगुवाई में पार्टी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। शास्त्री चौक पर इकट्ठा हुये कांग्रेसजन असम के मुख्यमंत्री के विरूद्ध नारेबाजी करते हुये गांधी कला भवन पहुंचे।

यहां अपने संक्षिप्त सम्बोधन में जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि भारत जोड़ों न्याय यात्रा की लोकप्रियता से असम सरकार घबरा गई है। केन्द्र के इशारे पर असम के मुख्यमंत्री के गुण्डे यात्रा पर हमले कर रहे हैं, वाहनों तथा प्रचार सामग्री को क्षति पहुंचाई जा रही है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा असम सरकार की घटिया सोच का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां राहुल गांधी को मन्दिर जाने और विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं से मिलने से रोका गया। कांग्रेस की ओर जनता के बढ़ते झुकाव से हैरान परेशान होकर आस्था पर पहरा बिठाया जा रहा है।

जनता को जाति, धर्म और तमाम कट्टरपंथी संगठनों में विभाजित करने के बाद अब भगवान को भी बांटा जा रहा है और शीर्षस्थ नेता यह तय करने लगे हैं कि मन्दिर में कौन जायेगा और कौन नही जायेगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान नर्वदेश्वर शुक्ला, अजय प्रताप सिंह, अरूण पाण्डेय, शौकत अली नन्हू, युनील पाण्डेय, इंजी. चन्द्रशेखर वर्मा, जयंत चौधरी, राकेश पाण्डेय, शिवविभूति मिश्रा, गिरजेश पाल, सुधीर यादव, विनोद चौधरी, घनश्याम शुक्ला, सूरज सोनी, अलीम अख्तर, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, गुड्डू सोनकर, रामधीरज चौधरी, संजीव त्रिपाठी, अजीज, नित्यानंद पाठक, शिवापति त्रिपाठी, ओमप्रकाश पण्डेय, करीम अहमद, मदनलाल, अख्तर हुसेन, मनीष श्रीवास्तव, मनीष चौधरी, मंजू पाण्डेय, बबलू, साधूसरन आर्या, अतीउल्लाह सिद्धीकी आदि मौजूद रहे।

छेड़खानी का विरोध करने पर की हत्या, आठ साल की सजा

संवाददाता–गोरखपुर। गैर इरादतन हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर जनपद न्यायाधीश अवनीश कुमार राय ने उरुवा बाजार थाना क्षेत्र के बनकटी हरिहरपुर निवासी श्रवण को आठ साल के कठोर कारावास एवं 45 हजार पांच सौ रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को 230 दिन का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धर्मेंद्र दूबे एवं अतुल कुमार शुक्ल का कहना था कि वादी वादी रामनयन उरुवा बाजार थाना क्षेत्र के बनकटी हरिहरपुर का निवासी है। घटना आठ मई 2023 की शाम 8.30 बजे की है वादी की भतीजी प्रियंका को अभियुक्त श्रवण दारू के नशे में छेड़ रहा था। विरोध करने पर अभियुक्त ने प्रियंका को लाठी से सिर पर मार दिया। इससे प्रियंका बेहोश होकर गिर पड़ी। अभियुक्त ने वादी को भी मारा। इलाज के लिए प्रियंका को सदर अस्पताल लाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

नारा लगाने से दो समुदायों में उपजे तनाव को पुलिस ने सुलझाया

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल कस्बे के पश्चिम टोला मोहल्ले में शोभायात्रा के दौरान झंडा लहराने व नारा लगाने से कुछ देर के लिए दो सुमदाय में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पंहुची पुलिस ने दोनों समुदाय के लोगों के बीच बनी गलतफहमी को दूर करते तनाव को समाप्त करा दिया। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मेंहदावल कस्बे में निकली शोभायात्रा जैसे ही नगरवाली मंदिर के पास पहुंची। कुछ उत्साही युवक विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल के गेट के पास नारेबाजी करते हुए भगवा ध्वज लहराने लगे। जिसको लेकर दूसरे समुदाय में गलतफहमी हो गई। कई लोग इकठ्ठा हो गए। कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। जिसे पुलिस ने सूझबूझ से शांत करा दिया। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर समुदाय विशेष के लोगों के गलतफहमी को दूर कर दिया। शांतिपूर्ण तरीके से शोभायात्रा चलती रही। पूरी तरह से स्थिति सामान्य है।

प्राण प्रतिष्ठा होते ही जश्न में डूबे लोग, पटाखा फोड़ बोले जय श्रीराम

संवाददाता–संतकबीरनगर। अयोध्या में भव्य राममंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही शहर से लेकर गांव तक लोग जश्न में डूब गए। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई तो जय श्रीराम के नारे गूंज उठे। शहर में शोभायात्रा निकाली गई तो युवा वर्ग के लोग बाइकों पर सवार होकर भ्रमण करते रहे। इसके साथ ही जगह–जगह भजन–कीर्तन, भंडारा और प्रसाद वितरण का सिलसिला चलता रहा। शाम हुई तो मंदिरों और घरों में लोगों ने दीपक जलाए, जिससे दीपावली जैसा माहौल दिखा। देर शाम तक जश्न मनाने का दौर चलता रहा। सोमवार को अयोध्या में भव्य मंदिर में श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही इंतजार की घड़ियां समाप्त हो गईं। प्राण प्रतिष्ठा की एक झलक पाने के लिए लोग सुबह से ही टीवी देखते रहे। प्राण प्रतिष्ठा होते ही लोग जश्न में डूब गए। पटाखे की आवाज के बीच जय श्रीराम के जयकारे गूंजने लगे। शहर में लोग घरों से निकले और जमकर जश्न मनाया। जगह–जगह भंडारा हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस बीच समय माता मंदिर के साथ ही जूनियर हाईस्कूल परिसर से शोभायात्रा निकाली गई। युवा वर्ग के लोग बाइक से शहर में टोली बनाकर भ्रमण करते रहे। ऐसी ही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिली। मंदिरों में भजन–कीर्तन के साथ ही महिलाओं ने मंगलगान किया। शहर के तीन स्थानों पर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को देखने के लिए एलईडी लगाए गए थे। इसमें समय माता मंदिर की एलईडी ऐन वक्त पर खराब हो गई, लेकिन मुखलिसपुर तिराहा और गोलाबाजार में लोगों ने एलईडी पर सीधा प्रसारण देखा। इसके साथ ही लोग टीवी देखते रहे। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम होते ही लोगों ने मंदिरों में पूजा–अर्चन की। साथ ही दीप जलाए। इसके साथ ही घरों को भी दीपक से रोशन किया गया। इससे पूरा माहौल दीपावली जैसा दिखा। कई जगहों में महिलाओं ने रंगोली बनाई और मंगल गीत गाकर श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद लोगों ने श्रीराम के चित्र की आरती उतारी और प्रसाद का वितरण किया। लोग खुशी से झूमते नजर आए। इससे पूर्व रविवार की देर रात लोग शहर को भगवामय बनाने के लिए जुटे रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत जमोहना विकास खण्ड रामनगर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाक: 24.01.2024 से 29.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 29.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोट:– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–महावीर पाण्डेय
ग्राम पंचायत- जमोहना
विकास खण्ड रामनगर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–दिनेश कुमार
ग्राम पंचायत- जमोहना
विकास खण्ड रामनगर, बस्ती

पत्रांक मेमो /23.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

उल्लास में डूबी रही संत कबीर की धरती

संवाददाता–संतकबीरनगर। देर रात तक प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उल्लास में पूरी तरह से डूबा रहा। देर रात तक भजन कीर्तन होते रहे। देर रात तक पटाखे फूटने की आवाजें आती रहीं। जय श्री राम के उद्घोष ही सुनवाई पड़ रहे थे। भगवान राम के भजनों पर युवा से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई थिरकता रहा। इससे पूर्व दिन में मन्दिरों, सार्वजनिक स्थलों और घरों में सुन्दरकांड पाठ का आयोजन हुआ। सुन्दरकांड के बाद बधाई गीत और सोहर गाकर सभी ने प्रभु के बाल रूप का स्वागत किया। भक्तों में उल्लास ऐसा था कि दिन में भजन, कीर्तन और भंडारा किया तो शाम ढलते ही पूरा जिला दीपक और लाइटों की रोशनी ने रौशन हो गया। हर तरफ दिवाली मनी। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूरा होते ही लोगों ने पटाखा जलाकर खुशी का इजहार किया।

पूरे जिले में पिछले कई दिनों से अनुष्ठान चल रहे थे। कुछ स्थानों पर रविवार को ही अखंड रामायण का पाठ शुरू हो गया। जिसकी पूर्णाहुति सोमवार को दोपहर 12 बजे हुई। वहीं पूरे जिले में करीब 22 सौ स्थानों पर सामूहिक सुन्दरकांड पाठ का आयोजन हुआ। प्रत्येक गांव, मोहल्ले में हुए आयोजन में बच्चे, युवा, बूढ़े, महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी के उत्साह पर मौसम का भी असर नहीं देखने को मिला। तमाम लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा होने तक उपवास रखा। जिला मुख्यालय पर प्रमुख कार्यक्रम समय माता मंदिर और राम जानकी मन्दिर में हुआ। यहां रामायण पाठ के बाद भक्तों ने प्रभु की आरती उतारी। शहर के मुखलिसपुर रोड तिराहे पर आयोजित कार्यक्रम में संघ के जिला प्रचारक राजीव नयन के साथ ही सांसद प्रवीण निषाद, विधायक अंकुर राज तिवारी शामिल हुए। जिला करागार का माहौल भी सोमवार को राममय रहा। सभी भक्ति में डूबे रहे। सुबह कैदियों ने सुन्दरकांड पाठक किया। इसके बाद आरती करते हुए प्रसाद वितरित किया। जेल में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी कराया गया। शाम के समय जेल दीपक की रोशनी से जगमग हो गई। हर किसी के अन्दर उत्साह रहा। जेलर रणजीत सिंह ने बताया कि सुबह सुन्दर कांड के बाद सभी ने मिलकर आरती की। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। शाम के समय पूरे जेल में दीपक जलाया गया।

गोरखपुर में 14 करोड़ का कारोबार

संवाददाता–गोरखपुर। अयोध्या में सोमवार को. श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर गोरक्षनगरी भी भगवामय हो गई। इसको लेकर बाजार में भी बूम नजर आया। 14 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के अनुमान के बावजूद बाजार में झालर, झंडे और गुब्बारे समेत भगवा सजावट के अन्य सामान कम पड़ गए। इस धार्मिक उत्सव को देखते हुए व्यापारियों ने पूरी तैयारी की थी, लेकिन एक दिन पहले रविवार को ही दुकानों में भगवा झंडे, गुब्बारे, झालर और फूल कम पड़ गए। उत्सव में सामान कम पड़े तो दाम चार गुने हो गए, फिर भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ।

नखास चौक, गीता प्रेस और पांडेयहाता में झंडे और गुब्बारे की 150 से अधिक दुकानें लगी थीं, लेकिन सोमवार को भगवा ध्वज और गुब्बारे के लिए लोगों को दुकानों के चक्कर लगाने पड़े। फिर भी कईयों को मायूस लौटना पड़ा। प्रिंटेड ध्वज तो रविवार को ही बाजार में समाप्त हो गए थे। ध्वज के साथ दुपट्टा, धोती कुर्ता, गमछा भी खूब बिके। भगवा झालर भी खूब बिकी। एक थोक दुकानदार ने बताया कि उन्होंने 15 लाख की झालर बेच दी है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शहर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। सूर्यकुंड धाम जीर्णोद्धार समिति और गुरु गोरक्षनाथ आरती समिति की ओर से सूर्यकुंड सरोवर और गुरु गोरक्षनाथ घाट को 21–21 हजार दीपों से सजाया गया। ओमकारम और वन विभाग की ओर से गुरु गोरक्षनाथ घाट पर दीपदान किया गया। सूर्यकुंड धाम में सूर्यकुंड धाम विकास समिति की ओर से मिष्ठान वितरित किया गया। वहीं, विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश सराफा व्यापार संगठन की तरफ से काली मंदिर गोलघर पर बाल रूप भगवान राम का पंचामृत से भी अभिषेक किया गया। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ओरियन मॉल में कर्मचारियों और ग्राहकों ने 2100 दीपों से 'जय श्री राम' लिखकर खुशियां मनाई। पुलिस के सहयोग से मोहद्दीपुर चौकी पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 10 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मॉल के निदेशक अमित टेकरीवाल ने बताया कि पूरे शहर के साथ ही मॉल में भी खुशी का माहौल रहा। अंदर श्रीराम की प्रतिमा लगाकर सजावट की गई, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। प्राण प्रतिष्ठा पर मनाए गए दीपोत्सव में 60 लाख रुपये से –अधिक के दीये बिक गए। धूप नहीं होने से काफी संख्या में दीये सूख नहीं पाए थे। कुम्हारों ने बताया कि जब लोगों को सूखे दीये नहीं मिले तो कच्चे दीये ही खरीदे। इस दीपोत्सव से उनके घरों में भी खुशहाली की रोशनी पहुंची। इस दिवाली में उम्मीद से ज्यादा दीये बिके। प्राण प्रतिष्ठा के दिन चार पहिया वाहनों का बाजार भी गर्म रहा। इस खास दिन पर कई लोगों ने गाडी खरीदी जिन्होंने पहले से बुकिंग कराई थी उन्होंने शुभ मुहूर्त में ही गाड़ी की चाबी ली। वे टीवी पर देख रहे थे कि कब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो और गाड़ी की चाबी लें। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर फूल बाजार भी चमक उठा। शहर में फूल की दुकानों में सोमवार सुबह ही फूल और मालाएं समाप्त होने लगी। उसके बाद मांग के साथ कीमत भी बढ़ने लगी। दोपहर तक 20 से 30 रुपये में बिकने वाली फूल की मालाएं 100 से 150 रुपये बिकने लगी फिर भी कई लोगों को फूल नहीं मिला। प्राण प्रतिष्ठा पर भंडारा कराने के लिए लोग उत्साहित रहे। अंतिम समय में जिन लोगों ने भंडारा कराने की कोशिश क्री, उन्हें हलवाई नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम टालना पड़ा। शहर के भगत चौराहा पर रहने वाले डॉ. बीके सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ भंडारे की योजना बनाई थी, लेकिन हलवाई नहीं मिला। हालांकि, इस उपलक्ष्य में जल्द ही भंडारा किया जाएगा। इसी प्रकार रुस्तमपुर के राघवेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें भी भंडारा का कार्यक्रम टालना पड़ा। भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ गोरखपुर क्षेत्र की ओर से सोमवार को मंगला माता मंदिर बेतियाहाता में राम मंदिर की झांकी सजाकर पूजा की गई। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने आरती की। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विश्व जिताशु सिंह आशु, रत्नेश पांडेय, क्षेत्रीय सह संयोजक रमेंद्र प्रताप चंद, देवेंद्र पाल सूर्यवंशी, साया शंकर शुक्ला उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
नम्बर मुकदमा 686/2022
विक्की कसौधन
बनाम
श्रीमती संजू

श्रीमती संजू उम्र 23 वर्ष पुत्री रामजी कसौधन निवासी ग्राम गनेशपुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरब थाना वाल्टरगंज तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
नम्बर मुकदमा 1103/2018
अखिलेश कुमार
बनाम
धर्मदेव आदि

3. सुरेन्द्र उम्र करीब 55 साल 4. शिव कुमार उम्र करीब 35 साल 5. श्रवण कुमार उम्र करीब 40 साल पुत्रगण रामललित निवासीगण मौजा पहुरा पोस्ट कोड़रा पाण्डेय तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com